DOWNLOADED FROM HELLOZINDGI.COM
A COMPLETE WEBSITE FOR YOUR LIFESTYLE INCLUDING HEALTH AND RELIGION

Panchayudha Stotram In Hindi

स्फुरत्सहस्रारशिखातितीव्रं सुदर्शनं भास्करकोटितुल्यम् ।

सुरद्विषां प्राणविनाशि विष्णोश्चक्रं सदाऽहं शरणं प्रपद्ये ॥ १॥

भावार्थ – आदियेन हमेशा श्रीमन नारायणन के चक्र (डिस्कस) की शरण लेता है, सुदरसन, जो न केवल देखने में खूबसूरत है बल्कि बेहद खूबसूरत भी है दुश्मनों को नष्ट करने के लिए आग की लपटों के हजारों तेज तीलियों के साथ शक्तिशाली भी हैं. भगवान का यह शक्तिशाली अस्त्र करोड़ों सूर्यों के समान तेज है, जो एक ही समय में उत्पन्न हुए हैं।

विष्णोर्मुखोत्थानिलपूरितस्य यस्य ध्वनिर्दानवदर्पहन्ता ।

तं पाञ्चजन्यं शशिकोटिशुभ्रं शङ्खं सदाऽहं शरणं प्रपद्ये ॥ २॥

भावार्थ – भगवान के दिव्य शंख पंचजन्य में शरण लेता है करोड़ों चन्द्रमाओं के समान चमक रहा है। उस में से निकलने वाली वायु से उत्पन्न होने वाली इसकी ध्वनि भगवान के पवित्र मुख से असुरों के हृदय में दहशत फैल जाती है और उनके अभिमान को प्रबलता से परास्त करता है।

हिरण्मयीं मेरुसमानसारां कौमोदकीं दैत्यकुलैकहन्त्रीम् ।

वैकुण्ठवामाग्रकराभिमृष्टां गदां सदाऽहं शरणं प्रपद्ये ॥ ३॥

भावार्थ – भगवन हमेशा सुरक्षा चाहता है यहोवा की सुनहरी गदा से कौमओड की के नाम से जाना जाता है। जो मेरु पर्वत के समान बल, जब यह के अंगों पर उतरता है असुरों और क्रशों की सभा उन्हें तब परास्त नही कर पाती है यह हल्के ढंग से आयोजित किया जाता है उसकी हथेली में बेदाग भगवान उसकी रक्षा के लिए निचला बायां हाथ भक्त के सिर पर रख देते हैं.

रक्षोऽसुराणां कठिनोग्रकण्ठच्छेदक्षरच्छोणितदिग्धधाराम् ।

तं नन्दकं नाम हरेः प्रदीप्तं खड्गं सदाऽहं शरणं प्रपद्ये ॥ ४॥

भावार्थ – हमेशा भगवान की चमकती तलवार नंदकम की शरण लेती है, जो कठिन और डरावनी है। उसका ब्लेड यहोवा की यह शक्तिशाली तलवार असुरों के खून से लिपटी हुई है जो कई सिर कटें तथा भगवान पर आश्रित रहें और समाप्त हो गए.

यज्ज्यानिनादश्रवणात्सुराणां चेतांसि निर्मुक्तभयानि सद्यः ।

भवन्ति दैत्याशनिबाणवल्लिः शाङ्गं सदाऽहं शरणं प्रपद्ये ॥ ५॥

VISIT hellozindgi.com for entertainment, health, gossips, news and beliefs

DOWNLOADED FROM HELLOZINDGI.COM
A COMPLETE WEBSITE FOR YOUR LIFESTYLE INCLUDING HEALTH AND RELIGION

भावार्थ – आदियेन हमेशा भगवान के शक्तिशाली धनुष की शरण लेता है जिसे के रूप में जाना जाता है सारंगम, जो विरोधी पर उग्र बाणों की अविरल वर्षा करता है असुर के दौरान हाथोंहाथ सारंगम के धनुष की डोरी की टहनी की आवाज सुनकर भगवान द्वारा आश्रमों की प्रार्थना ओगम देवताओं के भय को दूर भगाता है.

इमं हरेः पञ्चमहायुधानां स्तवं पठेद्योऽनुदिनं प्रभाते ।

समस्तदुःखानि भयानि सद्यः पापानि नश्यन्ति सुखानि सन्ति ॥ ६॥

भावार्थ – प्रतिदिन इसका पाठ करने वालों के भय, पाप और दुखों का नाश होता है तथा भगवान के पांच अद्वितीय और शक्तिशाली हथियारों के बारे में पवित्र स्तुति को अवश्य करना चाहिए जिससे शुभता उन्हें गले लगाएगी।

वनेरणे शत्रुजलाग्निमध्ये यदृच्छयापत्सु महाभयेषु ।

इदं पठन् स्तोत्रमनाकुलात्मा पठन् स्तोत्रमनाकुलात्मा सुखी भवेत्तत्कृतसर्वरक्षः ॥ ७॥

भावार्थ – शक्तिशाली शत्रुओं, खतरनाक बाढ़ के बीच में खुद को खोजने वाले किसी के लिए भी, भीषण आग, भीषण युद्ध क्षेत्र, जंगली जानवरों के साथ ट्रैक रहित जंगल या कोई भी बड़े भय पैदा करने वाले अन्य खतरों से बचने के लिए हमें यह पाठ करने से इन सभी भयों से मुक्ति मिल जाएगी भगवान के पांच हथियारों के बारे में यह पवित्र स्तुति और शांति का आनंद दिलाती है

hellozindgi.com

VISIT hellozindgi.com for entertainment, health, gossips, news and beliefs